Headline: " At the Confluence of Education, Skills, and Technology, Experts Opine…
AI Will Transform the Landscape of Learning: Industry-Ready Skills—Not Degrees—Will Now Be the Foremost Requirement. "

Print Coverage:

Date	Publication	Edition
30th May 2026	Danik Bhaskar	All

ASSOCHAM SUMMIT शिक्षा, कौशल और तकनीक के संगम पर एक्सपर्ट बोले...

AI बदलेगी पढ़ाई की तस्वीर, अब डिग्री नहीं इंडस्ट्री रेडी स्किल होगी सबसे बड़ी जरूरत

सिटी रिपोर्टर • एआई अब टेक्नोलॉजी सेक्टर तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि आने वाले समय में राजस्थान के स्कूलों, कॉलेजों और यूनिवर्सिटी की पढ़ाई का तरीका भी बदल देगी। होटल द ललित में शुक्रवार को आयोजित 'राजस्थान एजुकेशन समिट 2026' में चर्चा के दौरान कुछ ऐसे ही संभावनाएं नजर आईं। यहां शिक्षा, उद्योग, स्टार्टअप्स और तकनीकी विशेषज्ञों ने फ्यूचर एजुकेशन सिस्टम के रोडमैप पर बात की।

एसोचैम राजस्थान स्टेट डवलपमेंट काउंसिल की ओर से आयोजित इस समिट में एआई आधारित शिक्षा, स्किल डवलपमेंट, रोजगारपरक कोर्स, डिजिटल लर्निंग और इंडस्ट्री-एकेडमिक कनेक्ट पर मंथन हुआ। समिट का उद्देश्य राजस्थान को केवल डिग्री नहीं, बल्कि इनोवेशन और स्किल आधारित एजुकेशन हब बनाना था। एक्सपर्ट ने कहा कि आने वाले वर्षों में पढ़ाई का स्वरूप तेजी से बदलेगा। इसमें स्टूडेंट्स को केवल सैद्धांतिक ज्ञान नहीं, बल्कि एआई, डेटा, कम्युनिकेशन, डिजिटल टूल्स और स्टार्टअप संस्कृति से जोड़ना जरूरी होगा। भविष्य में वे ही युवा आगे बढ़ेंगे जिनके पास तकनीकी समझ और रोजगार आधारित कौशल होगा।

सरकारी स्कूलों तक तकनीक पहुंचाने पर भी चर्चा

समिट के दौरान यह मुद्दा भी सामने आया कि एआई आधारित शिक्षा का लाभ केवल बड़े निजी संस्थानों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। विशेषज्ञों ने ग्रामीण और सरकारी स्कूलों में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने, शिक्षकों को टेक्नोलॉजी ट्रेनिंग देने और स्टूडेंट्स को भविष्य की स्किल्स से जोड़ने की जरूरत बताई। उद्घाटन सत्र में कॉलेज शिक्षा विभाग के आयुक्त ओम प्रकाश बैरवा, आरटीयू कोटा के कुलपति प्रो. निमित्त चौधरी, आईसीएफएआई बिजनेस स्कूल निदेशक डॉ. श्वेता जैन और एसोचैम राजस्थान स्टेट डेवलपमेंट काउंसिल के को-चेयरमैन इंजीनियर ओमकार बगरिया और एसोचैम हेड दिनेश माथुर भी मौजूद रहे। एमएनआईटी के निदेशक प्रो.एन.पी. पाढ़ी ने कहा कि एमएनआईटी में छात्रों को तीन श्रेणियों (इंडस्ट्री जॉब, तकनीकी ज्ञान और स्टार्टअप) के आधार पर अलग पाठ्यक्रम पढ़ाया जा रहा है। इंडस्ट्री अनुभव आधारित प्रशिक्षण से शिक्षा-रोजगार अंतर कम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एआई अगले पांच वर्षों में शिक्षा व्यवस्था में बड़ा बदलाव लाएगा।

• **शिक्षा से रोजगार तक का मॉडल;** पहले तकनीकी सत्र 'एजुकेशन टू एंटरप्राइज : राजस्थान के नवाचार एवं कौशल पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण' में विशेषज्ञों ने कॉलेजों और उद्योगों के बीच मजबूत तालमेल की जरूरत बताई। इस दौरान प्रोफेसर प्रदीप कुमार शर्मा, नवीन गिडवानी, डॉ. संदीप संचेती, डॉ. बृजेश सिंह, डॉ. धनेश्वर शर्मा, जयेश भट्ट और रिषभ नाग सहित कई विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे।

• **विजन-2030 में एआई और रिसर्च पर जोर;** दूसरे सत्र 'राजस्थान विजन 2030 : भविष्य के लिए तैयार शिक्षा तंत्र का निर्माण' में भविष्य की शिक्षा नीति, रिसर्च, इनोवेशन और तकनीकी बदलावों पर बात हुई। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि राजस्थान के युवाओं को वैश्विक स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने हेतु शिक्षा में टेक्नोलॉजी इंटीग्रेशन जरूरी है। सत्र में डॉ. पी.आर. सोडानी, प्रो. ए.के. सैनी, विक्टर गंभीर, रितु गिलहोत्रा और लवीना खिलनानी सहित शिक्षाविदों ने विचार रखे।